

Kisan shikshan prasarak mandal udgir
Mahatma fule mahavidyalay Ahmedpur district latur
Department of Marathi ; Course & outcomes



Class & Semester	Paper Name & Number-	Outcomes
BAFY Sem -I	आधुनिक मराठी कथा वाङ्मय- I	1. कथा वाङ्मय प्रकाराची ओळख. 2. विद्यार्थ्यांची कथात्मक दृष्टी विकसित करणे 3. साहित्य अभिरुचीच्या आकलनक्षमता रुंदावणे 4.भाषिक आणि वाङ्मयीन सौंदर्यदृष्टीचा विकास करणे 5.मराठीच्या विविध बोली यांचा परिचय
BAFY Sem -I	मध्ययुगीन व आधुनिक मराठी कविता -II	1. काव्य प्रवाहातील विचारांची ओळख 2. कवितेमधून प्रकट झालेल्या मानवी मूल्यांचे आकलन 3.भाषिक आणि वाङ्मय सौंदर्यदृष्टीचे विकसन 4.कवितेच्या विविध रचना प्रकारांचा परिचय 5. प्राचीन आणि आधुनिक काव्य प्रकारांची ओळख
BAFY Sem -I SL	अक्षर लेणी (द्वितीय भाषा मराठी)- I	1. मध्ययुगीन व आधुनिक गद्य-पद्य वाङ्मयाचा परिचय 2.मराठीतील वाङ्मय प्रकारांची ओळख 3. मराठी साहित्य निर्मिती आणि त्यांच्या प्रेरणा संबंधी आकलन 4. मराठी भाषेतील व्याकरणाचे उपयोजन
BAFY Sem II	मराठी कथात्म साहित्य- III	1. महामानवांच्या व्यक्तिमत्त्वांतील प्रेरणा 2. मानवी मूल्यांची रुजवणूक 3. आत्मकथनपर, चरित्रपर, प्रवासवर्णनपर व इतर कथात्मक साहित्य निर्मितीस प्रेरणा देणारे वातावरण 4. वाचन आणि लेखन अभिरुची वृद्धिंगत करणे
BAFY Sem II	आधुनिक मराठी कविता- IV	1. आधुनिक मराठी कवितेचा परिचय 2. काव्य प्रवाहातून प्रकटलेल्या मानवी मूल्यांचे आकलन 3. कवितेचे रचना प्रकार, भाषा आणि प्रतिमासृष्टीचा अभ्यास 4. मराठी काव्य प्रवाहातील वैचारिक अधिष्ठानांचा शोध
BAFY Sem -II SL	साहित्यशिल्प - II (मराठी द्वितीय भाषा)	1. मराठी भाषेच्या उपयोजनाचा परिचय 2. मराठी साहित्याची ओळख 3. गद्य आणि पद्य यातील विविध प्रकारांचा परिचय 4. मराठी भाषेच्या प्रमाण लेखनाची ओळख 5. जीवन मूल्य आणि कला मूल्य यांचा परिचय
BASY Sem III	निवडक मराठी गद्य- V	1. मध्ययुगीन व आधुनिक गद्य-पद्य याचा परिचय 2. मराठीतील विविध साहित्य प्रकारांची ओळख 3.मराठी साहित्य निर्मिती आणि त्यांच्या प्रेरणा यांचे आकलन 4. मराठी भाषेतील गद्य घटकांच्या स्वरूपाचे ज्ञान
BASY Sem III	मराठी नाट्यात्म साहित्य- VI	1. नाटक म्हणजे काय ते समजून घेणे 2. आधुनिक मराठी नाटकाचा परिचय 3. विविध प्रवाहातील वैचारिक अधिष्ठानांचा शोध 4. विविध नाट्य प्रकारांची ओळख 5 नाटकाच्या भाषा आणि प्रतिमासृष्टीची ओळख



BASY Sem - III SL	अक्षर विद्या - III (द्वितीय भाषा मराठी)	<ol style="list-style-type: none"> 1. मध्ययुगीन व आधुनिक मराठी काव्याचे स्वरूप समजून घेणे 2. मराठी कवितेची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी समजून घेणे 3. मराठी साहित्य निर्मितीच्या प्रेरणांची उकल करणे 4. विद्यार्थ्यांमध्ये मराठी साहित्याची आवड निर्माण करणे 5. साहित्य प्रकारांची ओळख करून देणे
BASY Sem - III	मराठी भाषिक कौशल्य - संभाषण कौशल्य (SEC-I)	<ol style="list-style-type: none"> 1. संभाषण कौशल्य विकास 2. मराठी भाषा क्षमतेच्या वाढीस मदत 3. संभाषण क्षेत्राची माहिती 4. व्यवसाय सेवेची संधी
BASY Sem-IV	निवडक मराठी कादंबरी वाङ्मय-VII	<ol style="list-style-type: none"> 1. कादंबरी वाङ्मय प्रकार समजून घेणे 2. मराठी कादंबरीचे स्वरूप समजून घेणे 3. कादंबरीच्या विविध प्रकारांची ओळख करून घेणे 4. विद्यार्थ्यांची कलात्मक दृष्टी विकसित करणे 5. कादंबरीमुळे जीवनाच्या कक्षा रुंदविणे 6. विविध बोलींचा परिचय
BASY Sem-IV	वैचारिक साहित्य-VIII	<ol style="list-style-type: none"> 1. वैचारिक साहित्य ही संकल्पना समजून देणे 2. मराठी वैचारिक साहित्याची ओळख करून देणे 3. जगातील विचार परंपरांचा आढावा 4. वैचारिक साहित्याचे तत्त्वज्ञान 5. वैचारिक साहित्याचे सामाजिक योगदान 6. वैचारिक साहित्यातील जीवनमूल्य
BASY Sem-IV SL	साहित्य सरिता - III (मराठी द्वितीय भाषा)	<ol style="list-style-type: none"> 1. गद्य, पद्य रचना प्रकारांचा आस्वाद 2. मराठीतील दर्जेदार साहित्याची ओळख 3. मध्ययुगीन व आधुनिक मराठी गद्य पद्याची ओळख 4. समास समजून घेणे 5. मराठी अलंकार समजून घेणे
BASY Sem-IV	मराठी भाषिक कौशल्य - लेखन कौशल्य (SEC - III)	<ol style="list-style-type: none"> 1. लेखन संकल्पना स्पष्ट करणे 2. लेखन प्रकार समजून घेणे 3. ललित आणि वैचारिक लेखन फरक 4. व्यावसायिक लेखन 5. नौकरीतील संधी
BATY Sem-V	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - DSE-MAR-1	<ol style="list-style-type: none"> 1. मध्ययुगीन काळातील भक्ती संप्रदायांची ओळख 2. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप 3. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाची परंपरा 4. भक्ती चळवळीत मराठी साहित्याचे योगदान 5. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय रचना प्रकारांचा परिचय
BATY Sem-V	साहित्य विचार-GE- MAR- 1	<ol style="list-style-type: none"> 1. वाङ्मयीन दृष्टिकोनाचे विकसन 2. भारतीय साहित्य शास्त्राची ओळख 3. पाश्चिमात्य साहित्य विचारांची ओळख 4. रस विचार समजून घेणे



		5. शब्द शक्तींचा परिचय
BATY Sem-V SEC	मराठी भाषिक कौशल्य विकास भाग- एक (SEC -III)	1. भाषिक क्षेत्रातील संधींची माहिती 2. मराठी भाषिक क्षमतांचा विकास 3. विविध क्षेत्रातील व्यावसायिक संधी 4. ग्रंथ प्रकाशन क्षेत्राची ओळख
BATY Sem-VI	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - DSE - MAR - 2	1. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा परिचय 2. साहित्य इतिहास 3. मराठी संस्कृती आणि संप्रदाय 4. साहित्य आणि चळवळ 5. विविध रचनांचा अभ्यास
BATY Sem-VI	भाषा विज्ञान आणि व्याकरण - GE- MAR- 2	1. भाषा ही संकल्पना समजून घेणे 2. भाषेची परिवर्तनशीलता 3. भाषा आणि प्रमाणभाषा जाणून घेणे 4. मराठी लेखन विषयक सजगता 5. व्याकरणाच्या अभ्यासाला चालना
BATY Sem-VI SEC	मराठी भाषिक कौशल्य भाग दोन (SEC- IV)	1. विविध प्रकारच्या कार्यक्रमांचे आयोजन 2. विविध क्षेत्रातील भाषिक व्यावसायिक संधी 3. भाषेचे प्रभावी उपयोजन 4. प्रमाण लेखनाची ओळख 5. मुद्रित शोधन कौशल्याचे विकसन


Principal
Mahatma Phule Mahavidyalaya
Ahmedpur Dist. Latur



Class & Semester	Paper Name & Number	Course Outcomes
बी.ए.प्रथम वर्ष सत्र-I&II	कथा साहित्य- I&III (ऐच्छिक हिंदी)	<ol style="list-style-type: none"> 1. उपन्यास की परिभाषा विकास और तत्वों का परिचय कराना. 2. उपन्यास में दलित, शोषित समाज को आजादी के पूर्व के परिवेश को दर्शाना है. दलितों का मुक्ति पर्व कब आएगा इसको डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों के जरिए विद्यार्थियों को समझाना. 3. पाठ्यक्रम की हर कहानी के रचनाकार का परिचय और कहानी की केंद्रीय संवेदना को प्रस्तुत करना. 4. छात्रों को जीवन मूल्य, जीवन दर्शन और आधुनिक बोध के परिचित कराकर उन्हें संस्कारित और मार्गदर्शित करना. 5. मानवीय समस्याओं, भावों, संवेदनाओं आदि के स्वरूप और विकास का वर्णन कथा साहित्य में हुआ है. उससे विद्यार्थियों को सचेत करना.
	नाटक तथा एकांकी- II&IV (ऐच्छिक हिंदी)	<ol style="list-style-type: none"> 1. नाटक और एकांकी विधा से परिचित कराना. 2. नाटक और एकांकी विधा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न कराना. 3. छात्रों में संवाद लेखन, वाचन कौशल का विकास कराना. 4. छात्रों को रंगमंच से संबंधित जानकारी छात्रों को देना. 5. अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना.
	साहित्य भारती - I&II (द्वितीय भाषा)	<ol style="list-style-type: none"> 1. द्वितीय भाषा के रूप में छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय देना. 2. कालानुरूप कहानी और काव्य में आए परिवर्तन को समझना. 3. कहानी और काव्य के माध्यम से छात्रों को परिष्कृत करना. 4. छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराना. 5. हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना. 6. रचनाओं में व्यक्त समस्याओं के समाधान के लिए छात्रों को प्रेरित कर उनमें नैतिक मूल्यों को स्थापित करना. 7. संवाद लेखन, विज्ञापन लेखन का परिचय कराना.



बी.ए. द्वितीय वर्ष सत्र- III& IV	मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता- V&VII (ऐच्छिक हिंदी)	1. हिंदी कविता के विकास क्रम से परिचित कराना. 2. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल की कविताओं की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित कराना. 3. छात्रों को मध्यकालीन संत साहित्य से अवगत कराना. 4. छात्रों को आधुनिक काल के साहित्य से अवगत कराना.
	निबंध तथा कथेत्तर गद्य- VI&VIII (ऐच्छिक हिंदी)	1. निबंध की परिभाषा तथा तत्वों का विवेचन करते हुए निबंधों के महत्व को प्रतिपादित करना. 2. निबंध के जरिए संसार के विषयों पर प्रकाश डालना. 3. निबंध के जरिए निबंध के लेखकों के विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराना.
	कथेत्तर गद्य-III (द्वितीय भाषा)	1. कथेत्तर गद्य की विधाओं से परिचित कराना 2. विविध रचनाओं में व्यक्त जीवन मूल्यों के द्वारा छात्रों पर उचित संस्कार कराना. जो मानवता निर्माण में सहायक होंगे. जिसके माध्यम से समाज में अनैतिकता का नाश और नैतिकता की स्थापना होगी.
	नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिंदी-IV (द्वितीय भाषा)	1. विद्यार्थियों को नाटक विधा का परिचय कराना. 2. 'जिस लाहौर नहीं देख्या वो जम्हाई नहीं' इस नाटक के द्वारा जातिभेद की समस्या से परिचित कराना. 3. प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय देना. 4. ई-मेल विधि से परिचित कराना 5. इंटरनेट की उपयोगिता को समझाना.



	हिंदी कौशल विकास- I&II	<ol style="list-style-type: none">1. हिंदी कौशल विकास में विद्यार्थियों में पत्र लेखन के महत्व को बढ़ावा देना.2. पत्रों का परिचय करके लेखन कौशल को बढ़ावा देना.3. संगणक का परिचय कराना4. मेल विधि से परिचित कराना.5. संभाषण कौशल को विकसित करना6. समाचार लेखन के लिए प्रेरित करना जिसमें समाचार पत्र, दूरदर्शन के लिए लेखन, आकाशवाणी के लिए लेखन आदि के प्रति विद्यार्थियों के मन में कौशल को विकसित करना.7. आज के बदलते परिवेश के अनुसार नगद व्यवहार का महत्व बताते हुए इंटरनेट के माध्यम से विद्यार्थियों में कौशल को विकसित करना.
बी.ए. तृतीय वर्ष सत्र- V&VI	हिंदी साहित्य का इतिहास -IX (ऐच्छिक हिंदी)	<ol style="list-style-type: none">1. छात्रों को हिंदी साहित्य के बृहत् इतिहास का परिचय कराना.2. हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि को समझना.3. साहित्यिक प्रवृत्तियों की परम्परा को समझना.4. हिंदी साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना5. भाषाई शिल्प के परिवर्तनों को समझना6. हिंदी साहित्य के आदिकाल तथा रीतिकाल का संक्षिप्त परिचय देना.7. भक्तिकाल तथा आधुनिक काल की प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना.
	हिंदी भाषा-X (ऐच्छिक हिंदी)	<ol style="list-style-type: none">1. हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना .2. भाषा के स्वरूप को समझना.3. हिंदी भाषा के प्रयुक्त क्षेत्रों का परिचय कराना.4. भाषाई वैविध्यवाले भारत देश में हिंदी के महत्व को समझाना .5. प्रद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपयोगिता को समझाना.6. हिंदी की संवैधानिक स्थिति से छात्रों को अवगत कराना



साहित्यशास्त्र-XI (ऐच्छिक हिंदी)	<ol style="list-style-type: none">1. साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करना .2. साहित्यशास्त्र के महत्व को प्रतिपादित करना.3. छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रीय दृष्टिकोन विकसित करना.4. आलोचना की मानवीय सहज प्रवृत्ति का साहित्यिक विश्लेषण करना .5. शब्द और अर्थों के सम्बन्धों को समझना .
भाषा शिक्षण- XII (ऐच्छिक हिंदी)	<ol style="list-style-type: none">1. भाषा शिक्षण के महत्व को प्रतिपादीत करना.2. हिंदी भाषा के व्याकरणिक कोटियों को समझना.3. भाषाई शुद्धता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाना.4. बदलते भाषाई परिवेश में परंपरागत भाषाई मौलिकता और लोकभावनाओं को समझना.
हिंदी कौशल विकास- II I&IV	<ol style="list-style-type: none">1. छात्रों में व्यवसायाभिमुख कौशल को विकसित करना.2. कौशल के अनेक क्षेत्रों से हिंदी को जोड़ना.3. छात्रों में लेखन कौशल विकसित करना.4. छात्रों को रोजगार के अवसरों से परिचित एवं प्रेरित करना.5. छात्रों को कौशल के माध्यम से सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना.6. कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना.

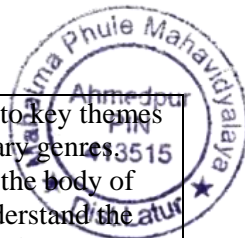

Principal
Mahatma Phule Mahavidyalaya
Ahmedpur Dist. Latur



Class & Semester	Paper Name & Number	Course Outcomes
B.A. First Year Semester-I	Compulsory English-I	<p>1)Through responding to and composing a wide range of texts, the learners will begin to use the English language in the best possible manner.</p> <p>2)Through the close study of texts, students will develop knowledge, understanding and skills in order to communicate effectively in English.</p> <p>3)Learners will value and appreciate the importance of the English language as a key to learning.</p> <p>4)Learners will gain the personal enrichment from study of literary pieces in English.</p> <p>5)Learners will acquire ability to communicate through oral and written texts.</p>
B.A. First Year Semester-II	Compulsory English-II	<p>1)Through responding to and composing a wide range of texts, the learners will begin to use the English language in the best possible manner.</p> <p>2)Through the close study of texts, students will develop knowledge, understanding and skills in order to communicate effectively in English.</p> <p>3)Learners will value and appreciate the importance of the English language as a key to learning.</p> <p>4)Learners will gain the personal enrichment from study of literary pieces in English.</p> <p>5)Learners will acquire ability to communicate through oral and written texts.</p>
B.A. First Year Semester-I Paper No.I	Understanding Prose Fiction-I	<p>1)Learners will be able to appreciate the texts in English Prose Fiction genre.</p> <p>2)Through responding to different texts of Prose Fiction, the learners will acquaint themselves with the wide range of expressions in the English language.</p> <p>3)Learners will carry out the tasks of interpretation of novels and short stories by studying the critical analyses of the prescribed texts.</p>
B.A. First Year Semester-II Paper No.III	Understanding Non-Fictional Prose in English	<p>1)Learners will be able to appreciate English Non-fictional prose with an understanding of various prose writings as developed through ages.</p> <p>2)Through responding to different Prose writings learners will be enriched in the use of prose for diverse thematic expressions.</p> <p>3)Learners will attain a certain degree of proficiency in the</p>




		interpretation of English prose.
B.A. First Year Semester-I Paper No.II	Understanding Poetry in English	<p>1)Learners will be able to appreciate English Poetry with an understanding of diverse poetic forms and themes.</p> <p>2)Through responding to differentPoetic texts the learners will acquaint themselves with the various nuances of poetic expressions in the English language.</p> <p>3)Learners will carry out the tasks of interpretation of poems by studying the critical analyses of the prescribed texts</p>
B.A. First Year Semester-II Paper No.IV	Understanding Drama in English	<p>1)Learners will be able to appreciate English Drama with an understanding of various dramatic texts.</p> <p>2)Through responding to differentplays learners will be introduced to various types of dramatic experiences.</p> <p>3)Learners will be able to critically analyze texts from different dramatic genres.</p>
B.A. Second Year Semester-III Paper No.III	Compulsory English-III	<p>1)The learners will be able to use the English language in a refined way for the personal and social purposes.</p> <p>2)The students will attain a higher level of understanding and skills in order to carry out communicative activities.</p> <p>3)Learners will be able to make practical use of the mechanics of the English language.</p> <p>4)Learners will be acquiring the skill of using English for media and electronic communication.</p> <p>5)The ability to communicate and interpret written texts shall be augmented.</p>
B.A. Second Year Semester-IV Paper No.IV	Compulsory English-IV	<p>1)The learners will be able to use the English language in a refined way for the personal and social purposes.</p> <p>2)The students will attain a higher level of understanding and skills in order to carry out communicative activities.</p> <p>3)Learners will be able to make practical use of the mechanics of the English language.</p> <p>4)Learners will be acquiring the skill of using English for media and electronic communication.</p> <p>5)The ability to communicate and interpret written texts shall be augmented.</p>
B.A. Second Year Semester-III Paper No. V	Optional English Indian Writing in English	<p>1)Learners will be able to appreciate the texts in Indian Writing in English.</p> <p>2)Through responding to different texts of Indian Writing in English the learners will acquaint themselves with the wide range of expressions in the Indian English language.</p> <p>3)Learners will carry out the tasks of literary interpretation by studying the critical analyses of the prescribed texts.</p>
B.A. Second Year Semester-III	Optional English American Literature	<p>1)The learners will gain an overall insight of the American literature, and understand the background, historical context, the importance of American literature and its role in the society.</p>



Paper No. VI		<p>2)The learners will identify, explicate, and respond to key themes and elements in American literature in various literary genres.</p> <p>3)Students will be enabled to review and recognize the body of literary works from America and will be able to understand the American spirit as well as to analyze various literary innovations and their culture.</p>
B.A. Second Year Semester-IV Paper No. VII	Optional English Indian Literature in English Translation	<p>1) The students will acquire an introductory knowledge of Indian literary heritage.</p> <p>2)The students will be familiarized with the significant socio-cultural issues in India through close reading of literary texts from diverse regions.</p> <p>3)The students will realize the intellectual potential available from the Indian literary texts from various Indian languages.</p>
B.A. Second Year Semester-IV Paper No. VIII	Optional English Women's Literature	<p>1)Students will be able to critically analyze the structure and meaning of various literary works written by women authors.</p> <p>2)Students will acquire knowledge of the major concerns of the women through a reading of the representative works from different nations.</p> <p>3)Students will be acquainted with the richness and depth of the female experience as depicted through their literary representations.</p>
B.A. Second Year Semester-III Paper No. I	Skill Enhancement Course (SEC) Skills for Employability-I	<p>1)The learners will meet requirements of the 21st century learners.</p> <p>2)They will learn to Build vocabulary comprising spelling and pronunciation in English.</p> <p>3) Developing dialogues for conversation skills</p> <p>4) Developing activities for written communication</p> <p>5) Developing strategies for professional skills and soft skills.</p>
B.A. Second Year Semester-IV Paper No. II	Skill Enhancement Course (SEC) Skills for Employability-II	<p>1)Developing a course that meets requirements of the 21st century learners</p> <p>2) Building vocabulary comprising spelling and pronunciation in English</p> <p>3)Developing dialogues for conversation skills</p> <p>4)Developing activities for written communication</p> <p>5)Developing strategies for professional skills and soft skills.</p>
B.A. Third Year Semester-V Paper No. IX	Optional English Literary Theory and Criticism (A) Introduction to Literary Criticism	<p>1)The learners will be introduced the Greek and Roman literary critics to the learners</p> <p>2) They will be acquainted the learners with the English literary critics and criticism</p> <p>3) They will understand the texts of major critics</p> <p>4) They will identify and understand the literary terms, phrases and concepts in English related with the literary theories and criticism</p>
B.A. Third Year Semester-V Paper No. X	Optional English Modern English Structure (A) Introduction to English Speech Sounds	<p>1)The learners will be acquainted with the English speech sounds, syllable and its structure</p> <p>2) They will study the phonemic transcription and consonant clusters</p> <p>3) They will understand the word accent and intonation in English speech</p> <p>4) They will identify the dialects, idiolects and varieties of British English</p>
B.A.	Skill Enhancement	1)The learners will be prepared for a smooth entry in to the world

Third Year Semester-V Paper No. III	Course (SEC) Life Skills –III	of work. 2) Self-awareness and social awareness of the learners will be developed. 3) Skill necessary for digital lifestyle will be introduced to the learners. 4) Personal and social skills in the learners will be developed.
B.A. Third Year Semester-VI Paper No. XI	Optional English Literary Theory and Criticism (B) Introduction to Literary Theory	1) To introduce the prominent literary theories to the learners 2) To acquaint the learners with the global critical schools. 3) To understand in depth the major literary theories. 4) To enable the learners for undertaking practical criticism.
B.A. Third Year Semester-VI Paper No. XII	Optional English Modern English Structure (A) Introduction to English Grammar	1) The learners will be acquainted the English Word Classes. 2) They will study word structures and affixes. 3) They will study the basic clauses and phrases in English 4) They will understand the sentence structure and forms and meaning. 5) They will identify the common errors and ambiguities in English sentences 6) They will comprehend the varieties of English language and its dialects
B.A. Third Year Semester-VI Paper No. IV	Skill Enhancement Course (SEC) Life Skills –IV	1) The learners will be assisted for a smooth transition from student life into the world of work. 2) They will develop the skills necessary for understanding oneself and the sociocultural group. 3) They will choose the best ways of utilizing their time, efforts and mental energies. 4) the learners choose the best ways of utilizing their time, efforts and mental energies. 5) They will get training in skills required to find, understand, evaluate, create, and communicate digital information in a wide variety of formats. 6) They will be able to use diverse technologies appropriately and effectively to retrieve information, interpret results, and judge the quality of that information.




Principal
 Mahatma Phule Mahavidyalaya
 Ahmedpur Dist. Latur

Kisan shikshan prasarak mandal udgir
Mahatma fule mahavidyalay Ahmedpur district latur
Department of Sanskrit ; Course & outcomes



Class & Semester	Paper Name & Number	Outcomes
BAFY SEM I	PAPER I नाटकम् PAPER III काव्यशास्त्र व काव्यशास्त्रकार	1) संस्कृत भाषेचे आधुनिक काळातील महत्व व उपयोगिता समजावून घेणे. 2) भाषा व्यवहारासाठी आवश्यक कौशल्य अवगत करणे. 3) व्यवसायासाठी भाषेचे प्रायोगिक कौशल्य व नवनिर्मितीस प्रेरणा देणे. 4) संस्कृत भाषेतील योग व प्राणायाम वरील विविध माहिती व सराव करून योगप्रशिक्षकास योग्य बनवणे. 5) संस्कृत भाषा शिक्षण, व्यक्तिमत्व विकास इत्यादीचे कौशल्य विकसित करणे
BAFY SEM II	PAPER II महाकाव्यम् PAPER IV व्याकरण शास्त्र	1) संस्कृत भाषेचे आधुनिक काळातील महत्व व उपयोगिता समजावून घेणे. 2) भाषा व्यवहारासाठी आवश्यक कौशल्य अवगत करणे. 3) व्यवसायासाठी भाषेचे प्रायोगिक कौशल्य व नवनिर्मितीस प्रेरणा देणे. 4) संस्कृत भाषेतील योग व प्राणायाम वरील विविध माहिती व सराव करून योगप्रशिक्षकास योग्य बनवणे. 5) संस्कृत भाषा शिक्षण, व्यक्तिमत्व विकास इत्यादीचे कौशल्य विकसित करणे
Class & Semester	Paper Name & Number	Outcomes
BASY SEM III	PAPER V काव्यम् PAPER VII धर्मशास्त्र व गीताज्ञान SEC –I योगशास्त्र	1) संस्कृत भाषेचे आधुनिक काळातील महत्व व उपयोगिता समजावून घेणे. 2) भाषा व्यवहारासाठी आवश्यक कौशल्य अवगत करणे. 3) व्यवसायासाठी भाषेचे प्रायोगिक कौशल्य व नवनिर्मितीस प्रेरणा देणे. 4) संस्कृत भाषेतील योग व प्राणायाम वरील विविध माहिती व सराव करून योगप्रशिक्षकास योग्य बनवणे. 5) संस्कृत भाषा शिक्षण, व्यक्तिमत्व विकास इत्यादीचे कौशल्य विकसित करणे
BASY SEM IV	PAPER VI व्याकरणम् PAPER VIII गद्यवैभवम् SEC –II भाषाकौशल्यम्	1) संस्कृत भाषेचे आधुनिक काळातील महत्व व उपयोगिता समजावून घेणे. 2) भाषा व्यवहारासाठी आवश्यक कौशल्य अवगत करणे. 3) व्यवसायासाठी भाषेचे प्रायोगिक कौशल्य व नवनिर्मितीस प्रेरणा देणे. 4) संस्कृत भाषेतील योग व प्राणायाम वरील विविध माहिती व सराव करून योगप्रशिक्षकास योग्य बनवणे. 5) संस्कृत भाषा शिक्षण, व्यक्तिमत्व विकास इत्यादीचे कौशल्य विकसित करणे
Class & Semester	Paper Name & Number	Outcomes
BATY SEM	PAPER IX शाकुन्तल व नाट्यशास्त्र	1) संस्कृत भाषेचे आधुनिक काळातील महत्व व उपयोगिता समजावून घेणे. 2) भाषा व्यवहारासाठी आवश्यक कौशल्य अवगत करणे.

V	PAPER XI काव्यशास्त्र SEC –III संस्कृत संगणक कौशल्यम्।	<p>3) व्यवसायासाठी भाषेचे प्रायोगिक कौशल्य व नवनिर्मितीस प्रेरणा देणे.</p> <p>4) संस्कृत भाषेचा संगणकातील वापर व इंटरनेटवरील भाषेविषयीच्या विविध साधनांची ओळख करून देणे.</p> <p>5) संस्कृत भाषा शिक्षण, व्यक्तिमत्व विकास इत्यादीचे कौशल्य विकसित करणे</p>
BATY SEM VI	PAPER X वैदिकसाहित्य व उपनिषद PAPER XII भाषाविज्ञान SEC –IV संस्कृतलेखनकौशल्यम्।	<p>1) संस्कृत भाषेचे आधुनिक काळातील महत्व व उपयोगिता समजावून घेणे.</p> <p>2) भाषा व्यवहारासाठी आवश्यक कौशल्य अवगत करणे.</p> <p>3) व्यवसायासाठी भाषेचे प्रायोगिक कौशल्य व नवनिर्मितीस प्रेरणा देणे.</p> <p>4) संस्कृत भाषेचा संगणकातील वापर व इंटरनेटवरील भाषेविषयीच्या विविध साधनांची ओळख करून देणे.</p> <p>5) संस्कृत भाषा शिक्षण, व्यक्तिमत्व विकास इत्यादीचे कौशल्य विकसित करणे</p>




Principal
 Mahatma Phule Mahavidyalaya
 Ahmednagar Dist. Latur



Class & Semester	Paper Name & Number	Course Outcomes
B.A. First Year Semester-I	Paper I and III HISTORY OF ANCIENT INDIA	<ol style="list-style-type: none"> 1.To survey the sources of History of Ancient India. 2. To Familiarize the Students with Ancient India civilization and socio religious conditions. 3. To consider the Political development in ancient India to make attentive the students about the religious development in ancient India.
B.A. First Year Semester-II	Paper III and IV HISTORY OF INDIA	<ol style="list-style-type: none"> 1. To review the sources of History of Medieval India. 2. To make possible students to learn the developments in India during the Mediaeval period 3. To make students aware about the contribution of mediaeval India to analyse, the architectural development in mediaeval India.
B.A. Second Year Semester-III	Paper V and. VII CHHATRAPATI SHIVAJI AND HIS TIMES	<ol style="list-style-type: none"> 1. To Make students conscious about the regional mediaeval History of Maharashtra. 2. To Introduce student's literary archaeological and foreign sources of History of Maratha. 3. To assist students realise the contemporary circumstance of Maharashtra which leads to Foundation of swarajaya. 4. To Make students with administration of Marathas. 5. To help out the students for analysing the socio-religious, economical and administrative Condition of swarajaya.



B.A. Second Year Semester-IV	Paper VI and VIII HISTORY OF INDIA	1. To examine the emergency of reform Movements in India. 2. To make aware about the contribution of great social reformers. 3. To examine the educational movement in modern India. To enable the student to reinterpret the Indian socio-religious scenario.
B.A. Second Year Semester-III and IV	SEC I and II TOURISM	1. Historical background types, nature and scope of Tourism. 2. Motivation of Tourism. 3. Purpose and importance, sergeant committee, Maharashtra tourism development corporation, Role of History in
B.A. THIRD YEAR Semester-V and VI	Paper IX and XI HISTORY OF MODERN INDIA	1. Student will understand the freedom struggle movement in India under the leadership of Mahatma Gandhi. 2. Students will streamline the role of freedom fighters as well as revolutionary leaders 3. Students will remember the work of Netaji Subhash Chandra Bose for the nation
B.A.Third Year Semester - V and VI	Paper X and XII SOCIAL REFORMERS IN MAHARASHTRA AND AWAKENING MOMENT	1. To aware the students to know the contribution of Social Reformers. 2. To contribute constructively towards the building of society. 3. To make preparation for competitive examinations. 4. To maintain the social harmony. 5. To know the legacy of the great social reformers and thinkers.

<p>B.A. Third Year</p> <p>SEM V and VI</p>	<p>Paper SEC III and IV</p> <p>Appreciation of Indian art</p>	<ol style="list-style-type: none"> 1. To Introduce the students to the Indian Art from past to present. 2. To unfold aesthetic prosperity of the Indian art. 3. To appreciate the various contexts of Indian art. 4. To give wide exposure to the Indian art through site visits and visual 5. To create awakening to conserve the historical heritage by way of establishing the museum effects.
--------------------------------------------	---------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

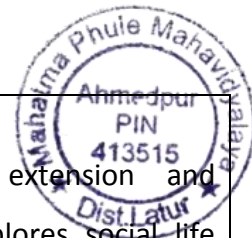



Principal
 Mahatma Phule Mahavidyalaya
 Ahmedpur Dist. Latur

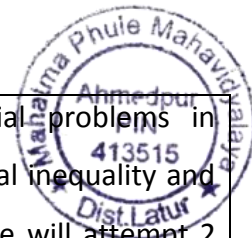
Kisan shikshan prasarak mandal udgir
Mahatma fule mahavidyalay Ahmedpur district latur
Department of Sociology ; Course & outcomes



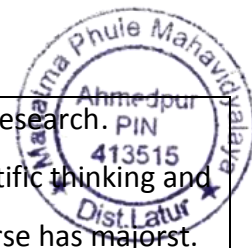
Class & Semester	Paper Name & Number-	Outcomes
BAFY Sem -I	Paper I - Introduction to Sociology	The course is designed to develop awareness of the relationship between individual beliefs: attitudes and behaviours and the wider society and culture. Student will be able to demonstrate on understanding of how social call affects individual life. To understand society in context of the sociology theory: knowledge concepts.
BAFY Sem -I	Paper II New Changes in Social Institutions	Social Institutions are system of behavioral and relationship patterns that are density inter women and enduring: and function across an entire society. They order and structure the behavior of individuals by means of their normative character. Students will obtain a sociological understanding of diverse: social groups: organization and social institutions. Social institutions are usually conceived of as the basic focuses of social organization: common to all societies.
BAFY Sem II	Paper-III - Basic Concepts in sociology	The five sociological concepts-A concept is an idea that helps us to organize our thoughts and perceptions or make sense of what we observe. In sociology the concepts socialization: culture: personality: social process and social control. Outcome: To understand the basic concepts in sociology and their fundamental theoretical interrelationship: such that students will be able do fofine: gives examples: show interrelationships and demonstrate the relevance.
BAFY Sem II	Paper IV Indian Rural Sociology	Rural Sociology is field of applied sociological research and training that historically focused on rural people and place. Rural sociology is the sociology of the village society. Here sociological principles are



		<p>applied for studying rural society. Outcome:</p> <p>Importance of rural sociology in agricultural extension and interrelationship & with processes. This course explores social life along the rural community and also provides a broad introduction to be issues and perspectives in rural sociology.</p>
BASY Sem III	Paper-V Indian Society: Structure & Change	<p>Today, Indian society entered into post-modern period. The external forces affected on internal structure, such as Culture and ethnicity of Indian Society. The social changes between the present and the past is an evident feature of the society.</p> <p>The course also has as its focus the changing patterns of inequality in contemporary societies. It is quite hope that the sociological perspectives on society. The Social Milieu presented in proposed course will enable students to gain a better understanding of their situation and region</p>
BASY Sem III	Paper-VI Transformative Movement in India	<p>India is multilingual multi ethnic and multi-cultural country. So that they are various traditions, customs, myths and rituals as well as ethics and social values too. So, in the due course of time the aforesaid factor seems to be an absolutely out of date. Consequently this situation gives birth to radical social movements and Indian society in hermits of the unique features compared to other societies. There for, the course. primarily focuses on the types of social movements in India, and students will have an opportunity to learn philosophical background of various social movements in India.</p>
BASY Sem - III	BASY Skill Enhancement Course-I Rural Society And Development	<p>1 To understand Rural Society Course</p> <p>2 To Know the various Rural Development Programmes. Society and Development</p> <p>3 To understand issues in process of implementation of rural development programmes</p>



<p>BASY Sem-IV</p>	<p>Paper –VII Social Problem in Contemporary India</p>	<p>The course attempts to Introduce the basic social problems in contemporary India, It deals with the real fact of social inequality and its understanding by sociology. Specifically, the course will attempt 2 forward some consideration on the legal and the secular state in India. We will explore the contemporary Social issues, causes of crime, gender discrimination in various institutional context and women's issues that have been central to it. So, this course an attempt will be made to elaborate a framework for the observation of the present problems.</p>
<p>BASY Sem-IV</p>	<p>Paper No-VIII- Human Rights and Society</p>	<p>This course has been specifically framed to address the necessity and interests of the students in emerging aspects of applied knowledge in Human Rights and social issues under the surveillance of Indian constitution. Similarly, the present course introduced the update of new areas of sociological explorations related to Government policies & schemes as well as to develop familiarity with emerging areas of Human Resource and its interface with social issues.</p>
<p>BASY Sem-IV</p>	<p>Skill Enhancement Course-II Problem of Slum</p>	<p>1.To understand problem faced by people living in slums 2 To Know slum people and their living conditions 3 To Know various programmes related to problems of slum</p>
<p>BATY Sem-V</p>	<p>Paper-IX Western Sociological Thinkers-1</p>	<p>Sociology is branch of social sciences that uses systematic methods. This course is to provide to the sociology students with the understanding of sociological theory. To train students for the application of these theories to social situations, acquaintance with the writing of these four thinkers, so as to equip the students with theoretical insights to know analysis and interpret the social scenario around them. An attempt to familiarize students with the different sociological perspectives and theories</p>



BATY Sem-V	Paper-X Methods of Social Research	<p>This course has importance in the field of sociological research. Research methodology will be providing base for scientific thinking and rationalizing the minds, thoughts of students. This course has majorst. Laut aims to provide basic and fundamental knowledge of research methodology. This paper provides conceptual objectives, tools and techniques of research methodology. This course has also significance in providing scientific attitude and temper among the student of social sciences in general sociology in particular by doing this course, students will get job opportunities in the research institutions, teaching, research field, corporate and marketing sector.</p>
BATY Sem-V	SEC-III: Social Counselling-I	<p>"How should I live my life? and what should I do next?" These are the philosophical moral question, and the social counselling is designed to address in active and constructive ways. Good counselling helps student to build skill, they can use in solving their problems. Counselling is important because it gives the opportunity and offer a positive benefits which can enhance person life.</p>
BATY Sem-VI	Paper-XI Modern Sociological Thoughts in India	<p>This course has importance of understanding the thoughts of modern social reformers of the India. This course aims to orient the students of sociology towards the ideas, views and thoughts of the modern makers of the India. This course would help to enlighten the understanding of contemporary issues and challenges of the country. This course has relevance in sociological understanding which develops and build up capacities of the young generation of the country.</p>
BATY Sem-VI	Paper-XII Techniques of Social Research.	<p>This course has importance in the field of sociological research. Research methodology will be providing base for scientific thinking and rationalizing the minds, thoughts of students. This course has major aims to provide basic and fundamental knowledge of research methodology. This paper provides conceptual objectives, tools and techniques of research methodology. This course has also significance in providing scientific attitude and temper among the student of social sciences in general sociology in particular by doing this course, students will get job opportunities the research institutions, teaching,</p>

		research field corporate and marketing field.
BATY Sem-VI	SEC-III: Social Counselling-II	How should I live my life? and what should I do next?" These are the philosophical moral question, and the social counselling is designed to address in active and constructive ways. Good counselling helps student to build skill, they can use in solving their problems. Counselling is important because it gives the opportunity and offer a positive benefits which can enhance person life.




Principal
 Mahatma Phule Mahavidyalaya
 Ahmedpur Dist. Latur

Kisan shikshan prasarak mandal udgir
 Mahatma fule mahavidyalay Ahmedpur district latur
Department of Political Science ; Course & outcomes




Class & Semester	Paper Name & Number	Outcomes
BAFY SEM I	Paper I & III INTRODUCTION OF POLITICAL CONCEPTS	Pupils will understand the basic Political concepts by standing the course Students will be able to solve the Political problems by standing this course ii) Students will acquire the judgment power by standing the various Political ideas, concepts and other Political issues concern with Politics.
BAFY SEM II	Paper II & IV GOVERNMENT AND POLITICS OF MAHARASHTRA	Students will understand the formation, Government and other Political issues concern with Maharashtra Government. ii) Student will be able to solve the Political problems by studying this course. lii) Pupils will acquire to understand various Political issues, Political process and Political activity. iv) Students get various political ideas concern with state Government and A other relevant Political issues.
Class & Semester		Outcomes
BASY SEM III	Paper-V INDIAN CONSTITUTION	This course acquaints students with the constitution, design of state structure, institutions and their actual working overtime. The Indian N constitution accommodates conflicting impulses of liberty and justice, territorial decentralization and a strong union for instance within itself. The course traces the embodiment some of these conflicts in constitutional provisions and shows how thus have played out in Political practices. In further, encourages a study of state institution in their mutual interaction with the larger extra constitutional environment.
	Paper VI INTERNATIONAL RELATIONS	The Utility of the course Lies in the course Constitution in raising the NA student's awareness about the global International Politics with Key concepts approaches and Political Institutions like UNO. It will also help students to prepare themselves for competitive exams like UPSC, MPSC etc. moreover it will career like Political analyst Media, Professionals and Ideal Politicians
BASY SEM IV	SEC--Basic Information and	.It will help students to eradicate fear of competitive examinations. student's awareness about the global International Politics with Key students to prepare themselves for competitive exams like UPSC, MPSC etc. moreover



	Preparation Skills for Competitive Examination - 1	<p>it will career like Political analyst Media, Professionals and Ideal Politicians.</p> <p>2. Pupils will develop skills to pass the competitive examination.</p> <p>3. Students will know that acquisition of knowledge is a matter of vast study and voracious reading.</p> <p>4. Students will understand the difference and co-ordination between legislature and bureaucracy.</p> <p>Students will know that while they prepare for such competitive examinations, they need to explore their general knowledge and awareness by which they can survive in such kinds of examination.</p>
	Paper-VII INDIAN GOVERNMENT AND POLITICS	The outcome of course lies in building ideal citizens competition ready skilled, man power mass awareness about the political structure and functionary among the youth. It will also go a long way in building Democracy and mass awareness among with about Indian Constitutions with their Fundamental Rights and Duties.
BASY Sem IV	Paper-VIII INTERNATIONAL RELATIONS	The Utility of the course Lies in the course Constitution in raising the student's awareness about the global International Politics with Key concepts approaches and Political Institutions like UNO. It will also help students to prepare themselves for competitive exams like UPSC, MPSC etc. moreover it will career like Political analyst Media, Professionals and Ideal Politicians.
BASY Sem IV	Paper SEC-11 Basic Information and Preparation Skills for Competitive Examination- 11	<p>1. It will help students to eradicate fear of competitive examinations.</p> <p>2. Pupils will develop skills to pass the competitive examination.</p> <p>3. Students will know that acquisition of knowledge is a matter of vast study and voracious reading.</p> <p>4. Students will understand the difference and co-ordination between legislature and bureaucracy. Students will know that while they prepare for such competitive examinations, they need to explore their general knowledge and awareness by which they can survive in such kinds of examination</p>
BATY Sem- V	Paper-IX INDIAN POLITICAL THOUGHT	The main objective to study this paper is to understand key thinker's seminal contribution to the evolution of political theorizing in India. Course Content
BATY Sem- V	Paper-X WESTERN POLITICAL	The course will narrate students the legacy of the thinkers and orient them about continuity and change within the western political tradition. It helps them to study historical aspects western state and society.

	THINKER	The main purpose of this paper is to acknowledge students with how the great masters explained and analysed political events and problems of their time and prescribed solutions.
BATY Sem-V	SEC-III INDIAN PARLIAMENTAR Hour. Y PROCEDURE	This paper will helpful and encourage students to know the actual working of the houses the sittings, the role of the presiding officers, the Question The main purpose of this course is to encourage learner for absorbing the skill to solve issues, problems in their day to day life as parliament do for the sake of save and strength then democracy.
BATY Sem-VI	Paper-XI POLITICAL IDEOLOGY	This paper will acknowledge students with various classical political ideologies and its contemporary relevance. The main concern of this paper is to introduce variant stands elaborates in various political ideologies about individual, state and society and its dialectics.
BATY Sem-VI	Paper-XII MODERN POLITICAL ANALYSIS	This paper content will helpful for student to draw new meaning as per recent time they can understand new concept of political science in the reference of modern age. This course main aim to acquaint to student about new concept in political science as like political Leadership, study of various approaches of human behaviour in politics.
BATY Sem-VI	SEC-IV INDIAN DEMOCRACY & GOOD GOVERNANCE	This Course will helpful and encourage students to Acknowledge Democratic Process in India. An intention of this paper is to understand origin, development and challenges before Good Governance in India

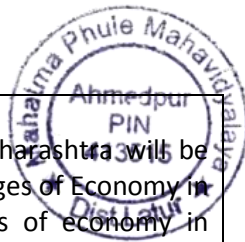



Principal
 Mahatma Phule Mahavidyalaya
 Ahmedpur Dist. Latur

Kisan shikshan prasarak mandal udgir
Mahatma fule mahavidyalay Ahmedpur district latur
Department of Economics Course & outcomes



Class & Semester	Paper Name & Number-	Outcomes
BAFY Sem -I	Paper-I Micro Economics (Compulsory)	<p>A Course in the Micro Economics has been selected as Economics subject for first year of first semester. Basic concepts in Economics, Demand and supply analysis as well as consumers' behaviour have been included in this course. In this course initially consumption, production, exchange and distribution shall be studied. In addition to this, mainly the study of consumption has been the dominant concern in this course. Students will be able to study further on the basis of this knowledge in Economics.</p> <p>i) Meaning, nature and scope will be studied in this course. ii) Student's ability will be utilized to tackle the current economic problems. iii) Students will adept more knowledge in the field of modern economics by studying this course. iv) This course will increase the utility and application to acquire more satisfaction in life.</p>
BAFY Sem -I) ECONOMICS Paper-II Economy of Maharashtra (Optional) Course Outcomes	<p>This course introduces and acquaints the students with various issues and sectors in Economy of Maharashtra with emphasis on Population, Unemployment, Poverty, Agriculture, Industry and Infrastructure. The students will also be able to understand the problems related to Agriculture, industries in Maharashtra.</p> <p>Awareness about development in economy of Maharashtra will be created. Students will understand the various challenges of Economy in Maharashtra. Students will study the Problems of economy in Maharashtra. Students will enhance the different concepts of economy in Maharashtra.</p> <p>This study will suggest remedies for different issues of economy in Maharashtra.</p>
BAFY Sem II	Paper-III Micro Economics (Compulsory) Course Outcomes	<p>The course includes the study of theory of production, theory of cost, and theory of revenue. The course also emphasizes on the study of market structure, such as, perfect competition, monopoly and monopolistic competition. The course also delve the theory of distribution. Rent, Wages, Interest and Profit theories are incorporated in the distribution. This course creates a new approach towards the study of Economics.</p> <p>i) Student will get the knowledge about Production, Cost and Revenue. ii) Students will be acquainted with the various markets from the point of view of competition. iii) This course will be helpful to realize the actual market through competitive point of view. iv) The acquisition of knowledge about providing share of different factors of production.</p>
BAFY Sem II	Paper-IV Economy of Maharashtra (Optional) Course Outcomes	<p>This course introduces as well as acquaints the students with various issues and sectors in Economy of Maharashtra with emphasis on cooperation, co-operative credit, railway, road, water, air transport and infrastructure. The student will also be able to understand the problems related to Co-operative sector, Infrastructure and Regional Imbalance in</p>



		<p>Maharashtra.</p> <p>1. Awareness about development in economy of Maharashtra will be created. 2. Students will understand the various challenges of Economy in Maharashtra. 3. Students will be study the problems of economy in Maharashtra. 4. Students will be enriched with the different concept of economy in Maharashtra. 5. This study suggests remedies for different Problems in economy of Maharashtra.</p>
BASY Sem III	Economics Paper - V - Macro Economics - I (Compulsory)	<p>The course introduces students to the basic concepts and framework of Macroeconomics. Macroeconomics deals with the aggregate economy. This first module discusses the preliminary concepts associated with the determination and measurement of aggregate macroeconomic variable like GDP, money, inflation, and the income determination in a closed economy. It also introduces students to simple analytical frameworks for determination of equilibrium output.</p> <p>This course aims to develop the broad conceptual frameworks, which will enable students to understand and comment upon real economic issues like inflation, money supply, GDP and their interlinkages.</p>
BASY Sem III	Paper - VI - Economics of Development (Optional)	<p>This paper deals with the concepts of Economic Development and Economic Growth explaining the differences between them. It also throws light on the indicators of Economic Growth and measurements of Economic Developments. This paper enables students to acquaint not only with classical theories but also introduces them with other theories of Economic Development. Furthermore, it highlights the factors in Economic Development process such as, Natural Resources, Population etc.</p> <p>1. Course will be useful in understanding the concept of development from many dimensions. 2. Learners will be aware of the different approaches towards development. 3. Course will be useful in understanding different government scheme in the process of economic development . 4. Course enables learners with the current scenario of development among different countries.</p>
BASY Sem - III	Economics Skill Enhancement Course Cashless Transaction (SEC- I)	<p>An introduction to Money and Banking and the role of banks in the economy, not only the students learn about traditional modes of payments but they are also able to know about the modern modes of payments which help in making cashless economy.</p> <p>completed the essential reading and activities students should:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Discuss Banking systems inexistence and how they are structured • Explain the relative importance of new modes of payments (cashless) in transactions. • Discuss the main types of cashless instruments and the main techniques employed by banks.
BASY Sem-IV	Paper - VII - Macro Economics - II (Compulsory)	<p>This is the second module of Macroeconomics. This course introduces students to formal modeling of the macro economy in terms of analytical tools. It discusses various alternative theories of output and employment determination in a closed economy. The course also deals with the business cycles and international trade. It also introduces students to simple analytical frameworks for determination of equilibrium output.</p> <p>This course aims to develop the broad conceptual frameworks, which will enable students to understand and comment upon real economic issues like employment and multiplier, acceleration, banking system, open economy, and their interlinkages. It will also allow the students to</p>




		evaluate various macroeconomic policies in terms of a coherent logical structure
BASY Sem-IV	Paper - VIII – Economics of Development and Environment (Optional)	<p>This paper glances rapidly on the term Economic Development only to understand the concept of Less Development Countries and their characteristics. It also gives emphasis on factors promoting to and obstacles of Economic Development. This paper enables students to comprehend the role of agriculture and industrialization in Economic Development. Not only it illuminates the importance of infrastructure in Economic Development, but emphasizes the importance of agricultural growth in globalization in terms of Economic Development. At times, it also brings in light the environmental concepts related with Economic Development such as Natural resources, pollution, sustainable development</p> <p>1. Students would understand the Environmental Concept. 2. Students will know the role of environment in the process of development. 3. Students will have an idea about sustainable development & natural resource management. 4. Learners will be familiar with the concept and theories of welfare.</p>
BASY Sem-IV	Data Collection (SEC- II)	<p>The course will be given in the form of lectures and practical work. Lectures will focus on research, especially with regard to sampling methods, data collection and data preparation. The course will focus on the practical implementation of diverse sample techniques. Students are expected to collect and classify the data.</p> <p>Aims and On completion of the course, the student shall be able to</p> <ul style="list-style-type: none"> • Demonstrate his/her understanding of sampling methods and the ability to use collection of data • Identify the appropriate sample techniques for different kinds of research questions • Identify the appropriate source of data in relation to the collection of research data. • Able to classify and present the collected data in the form of graph, bar diagram, chart etc.
BATY Sem-V	HISTORY OF ECONOMIC THOUGHTS-I (Optional) DSE-ECO-I	<p>In this course an analysis of Western Economic thinkers has been taken. One should not analyze present economic thoughts without studying history of economic thoughts. Economic situation is presently changing hence the study of this course must. So the present paper has been framed for the study. In the western economic thinkers medieval period mercantilism and physiocracy has been analyzed. Since, the father of Economics Adam Smith up to Karl Marx, classical thoughts are framed in the present course. Besides that Neo classical economist Fredrich List to Josef Schumeter is also framed in the course.</p> <p>1. Pupils will understand the basic economic concepts by studying the course. 2. Students will be able to solve the economic problems by studying this course. 3. Students will acquire the judgment power by studying the comparative approach.</p>
BATY Sem-V	INDIAN ECONOMY-GE - ECO –I Compulsory	<p>This course is not only highly relevant to students and scholars interested in expanding their knowledge of Indian Economy, but also policymakers wanting to know more about opportunities offered by Indian Economy. This paper introduces types and challenges of Indian Economy like increasing population, Unemployment, Poverty, Inflation, Crises in Agricultural Sectors, etc. The present paper also introduces the</p>



		<p>role of different sectors in Indian Economy. This paper includes economic planning and NITI Commission. The paper illustrates the impact of new economic reforms on Indian Economy. This paper also deals with the concept of foreign direct & Indirect Investment policy of India. Student will acquire the knowledge of Indian Economy. Student will understand various challenges of Indian Economy. Student will be able to suggest various measures to policy makers for solution of economic problem</p>
BATY Sem-V	FINANCIAL INCLUSION AND FINANCIAL LITERACY - SEC-III	<p>Financial Inclusion and Financial Literacy Course Outline: The course will be given in the form of lectures and practical work. Financial inclusion and financial literacy is the base of Cashless Transactions. As the majority of population is still not included in the inclusive growth. The Growth of financial inclusion becomes a challenge for the Indian Economy. Financial literacy is considered as important adjunct for promoting financial inclusion, consumer protection and ultimately financial stability. The aims of the Skill Enhancement Course are to focus on financial inclusion and financial literacy for the Indian formal sector.</p> <p>Completed the essential reading and activities students should be able to : Student will be able to create their own financial plan. Student will be able to create their own budget. Student will propose a personal saving and Investment plan. Student will be examining how their choice of carrier and lifestyles will affect their financial plan. Student will be aware about financial inclusion and financial literacy. Student face a challenging economical future.</p>
BATY Sem-VI	HISTORY OF ECONOMIC THOUGHTS -II (Optional) DSE – ECO - II	<p>In this course a study and analysis of eastern economic thoughts is made. Ancient thoughts and modern thoughts are also analyzed in the course. Koutilya's thoughts express the prosperity of ancient Indian Economy. The course also emphasizes the need of contemporary economic thoughts of DadabhaiNauroji, M.Phule, RajarshriShahu, DrBabasahebAmbedkar, YashwantraoChavan, ShankarraoChavan etc. The course also provides the economic thoughts of today's most talked about economists like Nobel winners Dr. AmartyaSen and Prof. MahammadYunus. The course also gives the direction of the economic way the world has taken.</p> <p>Agricultural Entrepreneurship will be adopted by pupils. Students will get knowledge of the exploitation of Indian Economy in the British rule. Students will know how much the political Leadership is successful in solving the economic problems of the society. The students will know the importance of Eastern Economic Ideas on the world level</p>
BATY Sem-VI	PUBLIC FINANCE -GE – ECO - II (Compulsory)	<p>This course discusses the financial aspect of Indian Economy hence this Paper is Next part of Indian Economy paper. The course covers different concepts of public finance i.e. Public finance, Fiscal Policy, Budget & Deficits. The paper includes explanation of Public Revenue& Public Expenditure, Hence students will understand the imbalance between Public Revenue & Public Expenditure. It will clarify the concept of deficit. This Paper also discusses Centre &State financial relations in India. It has been extended to the overview of recent finance commission.</p> <p>Student will able to analyze different concept of public finance. The student will understand the imbalance between public revenue and public expenditure. The students will suggest various measures to decrease deficit. The student will be able to evaluate working of recent finance commission.</p>



BATY Sem-VI	SKILL ENHANCEMENT COURSE ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT- SEC-IV	<p>The course is designed to provide the knowledge, skills and attitudes in entrepreneurship development that will meet the needs of a developing economy. On completion of this syllabus the students will gain knowledge and comprehension for the development and application of ideas for entrepreneurship.</p> <p>On completion of the course, the student shall be able to : Understand the concept of entrepreneurship and its functions. The student will also be able to describe the process of entrepreneurship. Explain the competencies of an entrepreneur. Understand the meaning and ways of generating ideas and able to prepare a business plan. Understand the reasons for success and failure of a business plan. Identify the various support structure available for promoting entrepreneurship.</p>


Principal
Mahatma Phule Mahavidyalaya
Ahmedpur Dist. Latur



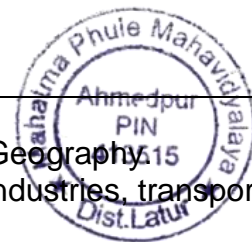
MAHATMA PHULE MAHVIDHYLAYA, AHMEDPUR DIST.

LATUR

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

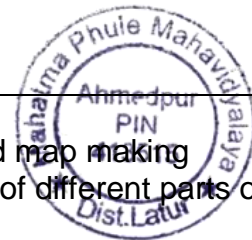
COURSE OUTCOMES 2020-2021

B.A. FIRST YEAR		
PAPER NO	COURSE	OUTCOMES
I	An Introduction to Physical Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with basic concepts of physical geography. To know the development of various branches physical geography. •To know the formation of continents and Oceans •To study the rotation and revolution of the earth and its impact
II	An Introduction to Human Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with Human Geography and its various branches, evolution of human race and its classification and so on. •To know the skills human adaptation to nature •To understand man environment relationship
III	Practical Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with types of maps, scales, relief and landforms •To develop abilities among the students to interpret the toposheets, calculate time using longitudes •To learn the techniques of showing the relief and landforms
IV	Geomorphology	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with interior of the earth, rocks, and endogenic and exogenic forces and their resultant landforms •To develop skills among the students to identify the landforms and their agents •To have the knowledge of types rocks and weathering
V	Population Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with dynamics of population geography, its nature and scope •To study the phases of transition of population growth •To study structure and composition of population with reference to India
VI	Practical Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with different types of population density and skills to interpret them •To develop the skills among the students to interpret the results using representation tools •To help students to project, analyze and plan the population growth
B.A. SECOND YEAR		
PAPER NO	COURSE	OUTCOMES
VII	Climatology	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of the course is to introduce the student with Climate and its various components and also to study their dynamics. •To provided in depth knowledge about climatology. •To prepare student for various competitive examination.
VIII	Economic Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with basic concepts of Economic Geography. To know the various branches of Economic




		<p>Geography.</p> <ul style="list-style-type: none"> •To know branches and significance of Economic Geography •To study agriculture, minerals, power resources, industries, transport routes and trade.
IX	Practical Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with different types of climatic data, presentation and their interpretation. •To develop the skill of presenting meteorological statistics with the help of graphs and figures. •To inculcate in the students the skills of reading the Indian daily weather maps.
SEC-I	Tourism Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with various aspects of tourism and tourists. •To have the basic knowledge of tourism and its significance. •To study the behavioural aspects of tourists in tourist places.
X	Oceanography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with oceanography and significance of its study and to know properties and dynamics of oceanic water. •To have the knowledge of physical and chemical properties of oceans. •To know the types of oceanic currents and their distribution.
XI	Settlement Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with fundamentals of Settlement Geography •To provide in depth knowledge about settlement geography •To prepare students for various competitive examinations
XII	Practical Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with knowledge of representation of geographical data. •To develop the technique of representation and analyses of data. •To develop among the students the skills of learning through playing with geographical data
SEC-II	Soil Geography	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with various aspects of soil like formation, types, properties, soil testing, conservation etc. •To have the knowledge of physical and chemical properties of soil. •To know the types of soils, their formation, and fertility levels.

B.A. THIRD YEAR		
PAPER NO	COURSE	OUTCOMES
XIII	Development of Geographical Thought–Part- I	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with development of geographical thoughts from ancient to modern times. To know the development of various branches of human and physical geography •To develop the skills among the students to imbibe the classical knowledge and its applicability in the present world •To know the contribution of geographers across the globe to the development of geography
XIV	Geography of India – Part- I	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with location and physical settings of India and to understand the significance of unity in the diversity •To know the physical regions, climatic regions and natural resources of India •To bring awareness among the students for judicious and optimum use of natural resources and adherence to sustainable development
XV	Practical	<ul style="list-style-type: none"> •The aim of this course is to introduce the students with knowledge of



	Geography	making of Projections •To know the skills of construction of projection and map making •To use different projections for the representation of different parts of the globe
SEC-III	An Introduction to Research Methodology	•The aim of this course is to introduce the students with basic nature of research methodology •To develop the temperament among the students to study the subjects in a systematic and scientific way •To enable students with the basic idea of data collection, analysis and interpretation skills
XVI	Development of Geographical Thought –Part II	•The aim of this course is to introduce the students with concepts like region and spatial organization, and various approaches in the study of geography and need for models in geography •To develop the skills among the students to apply approaches and models of geography to the real world problems. •To know the contribution of geographers across the globe to the development of geographical concepts, theories and models,
XVII	Geography of India – Part II	•The aim of this course is to introduce the students with different socio-economic aspects of India •To develop a sense of regional understanding and cooperation •To channelize the thought process of the students for planning and balanced regional development for harmonious coexistence
XVIII	Practical Geography	•To acquaint students with different methods of surveying and their use measurement and planning of landuse •To make students acquaint with the basic concepts of different survey methods and their use in the field •To develop the skills of village survey and report writing
SEC-IV	Disaster Management	•The aim of this course is to introduce the students with few basics of Aerial Photography and Remote Sensing •To keep students abreast with recent developments in geoinformatics •To help students to make use of interpretation skills in decision making and planning for the benefit of society


Principal
Mahatma Phule Mahavidyalaya
Ahmedpur Dist. Latur